अध्ययन मंत्र

Digital Study Material

64-Mall Road, GTB Nagar
Delhi-110009

www.adhyayanmantra.com
95556-95557

संज्ञा

संज्ञा

- **किसी वस्तु, प्राणी, स्थान, गुण, दशा, अवस्था, तथा भाव को संज्ञा कहते है।**
- **संज्ञा शब्द का अर्थ है - नाम**
- **सम् + ज्ञा, का अर्थ ठीक तरह से ज्ञान करवाना।**

  जैसे - वस्तु - पंखा, मेज, पुस्तक, कुर्सी आदि।
  - प्राणी - पशु, पक्षी, मछली, गाय, कृष्ण आदि।
  - स्थान- नगर, गांव, मोहल्ला, बहरोड़, दिल्ली आदि।
  - गुण, दशा, अवस्था - बचपन, बुढ़ापा, सौन्दर्य, सर्दी, गर्मी आदि।
- **संज्ञा के तीन भेद होते है**
- संज्ञा
- **व्यक्तिवाचक**
- **जातिवाचक**
- **भाववाचक**

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

- **जो संज्ञा शब्द किसी एक व्यक्ति, एक वस्तु तथा स्थान विशेष का बोध कराते है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते**

  जैसे - स्त्री पुरूषो के नाम- राधा, कृष्ण, रहीम।
  - नदियों के नाम- चम्बल, माही, लूणी।
  - त्योहारों के नाम - होली, दीपावली, रक्षाबन्धन।
  - दिनों के नाम - सोमवार से रविवार तक।
  - नगरों के नाम - दिल्ली, अजमेर, जयपुर।
  - पर्वतों के नाम - विध्यांचल, अरावली, हिमालय।
  - महिनों के नाम - जनवरी, फरवरी, मार्च।
  - देशों के नाम - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

2. जातिवाचक संज्ञा –

- **जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के सम्पूर्ण जाति, वर्ग या समुदाय का बोध कराते है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है।**

  जैसे - कवि, पुस्तक, नगर, स्त्री, पुरूष, सब्जी, नगर, गाँव नदी, लेखक, पशु, पक्षी, कोचिग, विद्यालय, देश आदि।
- **द्रव्यवाचक, समूहवाचक संज्ञा को जातिवाचक संज्ञा ही कहते है**

3. भाववाचक संज्ञा –

- **जिस संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान के गुण, दशा, अवस्था तथा भाव का बोध कराती है, उसे भाववाचक संज्ञा कहते है।**

  जैसे - सर्दी, गर्मी, बचपन, बुढ़ापा, सौन्दर्य आदि।

अध्ययन मंत्र Rohit Vaidwan Notes

पहचान - भाववाचक संज्ञा की सीधी पहचान यह है, कि उसका कोई आकार नहीं होता तथा वह स्वतंत्र नहीं होती।

Note: ये प्रत्यय लगाने से भाव वाचक संज्ञा बनती है, जैसे-ता, त्व, पन, अ, य, आई, आव, आपा, इ, ई, आस, आवट, आहट, इक आदि।

➢ **भाववाचक संज्ञाएं बनाना –**

(i) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा –

जैसे
- भ्रातृ — भातृत्व
- बच्चा — बचपन
- पिता — पितृत्व
- रांड — रंडापा
- बूढ़ा — बूढ़ापा
- नौकर — नौकरी
- शिशु — शैशव
- बच्चा — बचपन
- गुरू — गौरव

(ii) सर्वनाम से भाववाचक संज्ञाजैसे
- अपना — अपनापन
- आप — आपा
- पराया — परायापन
- स्व — स्वत्व
- मम — ममता
- निज — निजतव
- सर्व — सर्वस्व

(iii) विशेषण से भाववाचक संज्ञा –

जैसे
- लाल — लाली
- समृद्ध — समृद्धि
- लघु — लघुता
- पंडित — पांडित्य
- मोट — मोटापा/मुटापा
- गरम — गर्मी
- आलसी — आलस
- वीर — वीरता
- मधुर — मधुरता
- काला — कालीमा
- सुन्दर — सुन्दरता
- चंचल — चंचलता
- सरल — सरलता
- खट्टा — खट्टापन
- विनम्र — विनम्रता

(iv) अव्यय से भाववाचक संज्ञा –

जैस
- ऊपर — ऊपरी
- धिक — धिक्कार
- नीचे — निचाई
- निकट — निकटता
- भीतर — भीतरी
- दूर — दुरी
- समीप — समीप्य
- शीघ्र — शीघ्रता

अध्ययन मंत्र Rohit Vaidwan Notes

(v) क्रिया से भाववाचक संज्ञा –

जैसे
- उलझना — उलझाव
- थकना — थकावट
- खोज — खोजना
- उड़ान — उड़ना
- लुटना — लूट
- लिखना — लिखाई
- बनाना — बनावट
- हँसना — हँसी

❖❖❖❖❖

अध्ययन मंत्र
Rohit Vaidwan Notes

अध्ययन मंत्र

Online | Offline

Classroom Program

DSSSB | KVS | NVS | CTET | UGC-NET | SUPER TET
BPSC | RPSC | HSSC | HTET | MPTET | OTHER TEACHING EXAMS

Offline Education Preparation

GTB NAGAR-DELHI | UTTAM NAGAR-DELHI | NIRMAN VIHAR-DELHI

Online Education Preparation

For Android User
Adhyayan Mantra Connected
GET IT ON Google Play

For iOS User
ADHYAYAN MANTRA OFFICIAL
App Store
Education

For Portal User
ADHYAYAN MANTRA OFFICIAL
Web Portal
Education

64-Mall Road, GTB Nagar
Delhi-110009

www.adhyayanmantra.com
95556-95557